दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 गोरखपुर मेडिकल में छत का प्लास्टर गिरने से गायनी विभाग की पूर्व अध्यक्ष का सिर फटा, लगे आठ टांके

5 यूपी के 8 शहरों में कोल्ड वेव

8 गिल बोले- नई जनरेशन बालर्स नहीं, बाल देखती है

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 25 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 16 दिसम्बर, 2024

महाकुंभ मेले के कामों का जायजा लेने के बाद पीएम मोदी

प्रयागराज में लिखा जा रहा है नया इतिहास

प्रयागराज में पूजा-पाठ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को लगभग चार घंटे तक प्रयागराज के दौरे पर रहे, इस दौरान उन्होंने महाकुंभ मेला के लिए विकास कार्यों का निरीक्षण किया और करीब 5500 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। जायजे के बाद जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रयागराज में एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। भाषण की शुरुआत उन्होंने श्रामिकों को धन्यवाद के साथ की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुम्भ को सफल बनाने के लिए दिन रात परिश्रम कर रहे कर्मचारियों, श्रमिकों और सफाई कर्मियों का मैं विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं... अगले साल महाकुम्भ का आयोजन देश की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहचान को नए शिखर पर पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि मैं बड़े विश्वास के साथ कहता हूं कि अगर मुझे इस महाकुम्भ का वर्णन करना हो तो मैं कहूंगा कि यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की पवित्रता, इन तीर्थों का जो महत्व, महात्मय है उनका संगम है, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप, यह प्रयाग है।

नरेंद्र मोदी जी का तीर्थराज भूमि महाकुम्भ नगर प्रयागराज में माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी एवं माद्र मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी व माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने स्वागत व अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब संचार के आधुनिक माध्यम नहीं थे तब कुम्भ जैसे आयोजनों ने बड़े सामाजिक परिवर्तनों का आधार तैयार किया था... कुम्भ में संत और ज्ञानी लोग मिलकर समाज के सुख-दुख की चर्चा करते थे, वर्तमान और भविष्य पर चिंतन करते थे। आज भी कुम्भ जैसे बड़े आयोजनों का महात्मय वैसा ही है। ऐसे आयोजनों से देश के कोने-कोने में, समाज, देश में सकारात्मक संदेश जाता है, राष्ट्र चिंतन की धारा निरंतर प्रवाहित होती है... इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने संबोधन के दौरान महाकुंभ के दौरान किए जा रहे कामों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2025 के प्रयागराज महाकुंभ के शुभारम्भ के मद्देनजर प्रधानमंत्री का आगमन सभी सनातन धर्मावलंबियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज यहां हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण होने जा रहा है।

बकौल सीएम, प्रधानमंत्री की प्रेरणा, मार्गदर्शन और आदर्शों पर सैकड़ों वर्षों के बाद 2019 के प्रयागराज कुंभ में पहली बार श्रद्धालुओं को अक्षयवट के दर्शन हुए। इस बार अक्षयवट कॉरिडोर का लोकार्पण होने जा रहा है... बड़े हनुमान जी मंदिर कॉरिडोर का भी लोकार्पण होने जा रहा है।

लोकसभा में बोले राहुल - ये लड़ाई मनुस्मृति और संविधान के बीच, 50 फीसदी आरक्षण की दीवार तोड़ेंगे

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा श्जब आप अदाणी को धारावी का बिजनेस देते हैं तो आप धारावी के छोटे व्यापारियों का अंगूठा काटते हैं। जब आप बंदरगाह, एयरपोर्ट अदाणी को देते हैं तो जो लोग ईमानदारी से व्यापार करते हैं आप उनका अंगूठा काटते हैं। लेटेरल एंट्री देकर देश के युवाओं का अंगूठा काटते हैं। देश के युवा प्रतिस्पर्धी परीक्षा की तैयारी करते हैं। तो पेपर लीक कराकर आप उनका अंगूठा काटते हैं। भारत के संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर आज लोकसभा में बहस हो रही है। लोकसभा में आज विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहस में हिस्सा लिया। राहुल गांधी ने लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान बोलते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और केंद्र पर संविधान पर हमले का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि श्जब हम संविधान को देखते हैं तो हम देख सकते हैं कि संविधान में महात्मा गांधी, डॉ. आंबेडकर, पंडित नेहरू के विचार दिखते हैं, लेकिन ये विचार कहां से आए? ये विचार भगवान शिव, गुरु नानक, भगवान बासवन्ना, कबीर आदि से आए। हमारा संविधान बिना हमारी प्राचीन विरासत के बिना नहीं बन सकता था। राहुल गांधी ने कहा कि इसावरकर ने अपने लेखों में साफ लिखा है कि हमारे संविधान में कुछ भी भारतीय नहीं हैं। लड़ाई मनु स्मृति और संविधान के बीच की है। अब सवाल ये है कि आप सावरकर की बात को मानते हैं या फिर संविधान को। क्योंकि जब आप संविधान की तारीफ करते हैं तो आप एक तरह से सावरकर का विरोध करते हैं। जैसे पहले हिंदुस्तान चलाया जाता था, वैसे ही आप आज भी चलाना चाहते हैं। राहुल गांधी ने एकलव्य का उदाहरण देते हुए कहा कि गुरु द्रोणाचार्य ने एकलव्य को सिखाने से मना कर दिया था और कहा था कि आप स्वर्ण जाति से नहीं है तो मैं आपको नहीं सिखा सकता। इसके बाद भी एकलव्य ने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति बनाकर धनुष चलाना सीखा। जब एकलव्य ने धनुष चलाना सीख लिया तो द्रोणाचार्य ने एकलव्य का अंगूठा मांग लिया।

पुष्पा-2 एक्टर अल्लू अर्जुन को 14 दिन की जेल

भगदड़ में मौत मामले में 4 घंटे पहले गिरफ्तारी हुई थी, पीड़ित केस वापस लेने को तैयार

दिल्ली। पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान महिला की मौत के मामले में एक्टर अल्लू अर्जुन को हैदराबाद की कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। एक्टर को शुक्रवार सुबह उनके घर से दोपहर 12 बजे गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 4 बजे उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। अल्लू पर आरोप है कि वह 4 दिसंबर को हैदराबाद के संध्या थिएटर में बिना बताए पहुंचे थे। इससे वहां भीड़ जमा हो गई और भगदड़ मच गई थी। कई लोग जख्मी हो गए थे।

इस घटना के बाद अधिकारियों ने संध्या थिएटर के प्रबंधन, अल्लू अर्जुन और उनकी सुरक्षा टीम के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस बीच, एक्टर ने महिला की मौत के मामले में दर्ज FIR को खत्म करने के लिए हाईकोर्ट में अपील की है।

महिला की मौत पर अल्लू अर्जुन और उनकी टीम ने शोक भी जताया था। साथ ही एक्टर ने मृतक रेवती के परिवार के प्रति संवेदना जताई और उनसे मुलाकात भी की। एक्टर ने 25 लाख रुपए की मदद करने का वादा भी किया था। उधर, महिला के पति ने केस वापस लेने की इच्छा जताई है।

गला घोंटकर पत्नी-बेटे की हत्या

खुद भी दे दी जान, बड़ा बेटा बच गया, चूड़ी कारीगर इसलिए बना अपनों का कातिल

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद से तेलगंना की राजधानी हैदराबाद में नौकरी करने गए चूड़ी कारीगर ने पत्नी और बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर खुद भी फंदे पर लटक कर जान दे दी। इस वारदात की खबर जैसे ही परिवार के सदस्यों को लगी तो चीत्कार मच गया।

फिरोजाबाद के कोटला मोहल्ले के रहने वाले चूड़ी कारीगर ने अपना पूरी परिवार ही खत्म कर डाला। एक महीने पहले पत्नी और बेटे के साथ हैदराबाद में नौकरी के लिए गया था। वहां पत्नी के चरित्र पर शक को लेकर झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने पत्नी और बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी फंदे पर झूलकर जान दे दी। एक साथ तीन मौतों की खबर जब फिरोजाबाद में रहने वाले परिवार के सदस्यों को लगी तो चीत्कार मच गया। तीनों के शवों का हैदराबाद में पोस्टमार्टम हो चुका है। अब उनके शव कोटला मोहल्ले लाए जा रहे हैं। कोटला मोहल्ला निवासी 41 वर्षीय सिराज एक महीने पहले ही अपनी पत्नी एलिया (35) और दो बेटों को लेकर हैदराबाद नौकरी करने के लिए गया था। बताया गया है कि पत्नी के चरित्र शक के चलते 12 दिसंबर की रात विवाद हो गया। दोनों में झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि हाथापाई तक हो गई। अगले दिन यानि 13 दिसंबर को उसने छोटे बेटे और पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। ये सारी घटना देख बड़ा बेटा वहां से अपनी जान बचाकर भाग निकला। वहीं सिराज ने फंदे पर लटक कर अपनी भी जान दे दी।

सम्पादकीय

लोकतंत्र और न्यायपालिका दोनों खतरे में

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने रविवार आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शिरकत की

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने रविवार आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान वे भाजपा के राजनैतिक एजेंडे और कट्टर हिंदुत्व की सोच को आगे बढ़ाते नजर आए। जस्टिस यादव का भाषण रविवार से ही सोशल मीडिया के जरिए सब ओर पहुंच चुका है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक इस भाषण को पहुंचने में शायद दो दिन लग गए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार दोपहर को एक बयान जारी कर कहा कि उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के उस भाषण का संज्ञान लिया है। जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बयान में कहा– श्इलाहाबाद हाईकोर्ट से और विवरण मंगाया गया है और मामला विचाराधीन है।श वहीं देश के वरिष्ठ वकील, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस, सपा, माकपा आदि दलों के कुछ नेताओं से चर्चा हुई है और वे जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने इस मामले में प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष का सहयोग मांगा है, साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम को देखना चाहिए कि ऐसे लोग जज न बनें।

अदालतों में बैठे लोग हिंदुत्व की पैरोकारी कर रहे हैं, यह बात संविधान की मर्यादा, न्यायपालिका की गरिमा और लोकतंत्र के तकाजों के खिलाफ जरूर है, लेकिन संघ के निर्देशों पर नरेन्द्र मोदी के बनाए नए भारत में यह चलन बढ़ता जा रहा है। इसका सार्वजनिक इजहार तो तभी हो चुका था जब पांच जजों की पीठ ने बाबरी मस्जिद तोड़ कर खाली की गई जमीन को हिंदू पक्ष के हवाले कर दिया और फिर राम मंदिर बनाने की पूरी व्यवस्था भी कर दी। बाबरी मस्जिद तोड़ना अपराध था, यह बात सुप्रीम कोर्ट के फैसले में आने के बावजूद अपराधी खुले घूम रहे हैं, सम्मानित हो रहे हैं, यह नए भारत का सच है। पांच जजों की पीठ में शामिल तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई अब राज्यसभा सांसद हैं। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस साल मार्च में अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दे दिया और फिर दो महीने बाद ही वे भाजपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने उतर गए। फिलहाल न्यायपालिका की साख इतनी बची है कि आसंदी पर बैठे लोगों ने पद पर बने रहते हुए चुनाव लड़ना शुरु नहीं किया है। हालांकि मोदी सरकार चाहेगी तो संविधान में संशोधन कर इसे भी मुमकिन करा देगी। आखिर देश ने मुख्य न्यायाधीश रहे डी वाय चंद्रचूड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक साथ गणेश आरती करती तस्वीरें देश ने देखी ही हैं और इस पर सवाल उठे तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश को इसमें कुछ गलत भी नहीं लगा। बल्कि उन्होंने तो राम मंदिर पर दिए अपने फैसले के बारे में यह भी कहा है कि उन्होंने देवी प्रतिमा के सामने बैठकर इस पर मंथन किया।

हाल के इन प्रसंगों के अलावा कई और ऐसे प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें न्यायाधीश मोर के आंसुओं और मोरनी के गर्भवती होने पर ज्ञान दे रहे हैं या घृणा भरे भाषण देने वालों के चेहरों के भाव पढ़ रहे हैं कि उन्होंने गुस्से से ऐसा कहा या मुस्कुराते हुए जहर उगला। ये तमाम उदाहरण यह समझने के लिए काफी हैं कि अब देश के तीसरे स्तंभ न्यायपालिका में भी ऑक्टोपस की तरह हिंदुत्व की भुजाएं दसों दिशाओं से बढ़ चुकी हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों से देश की उम्मीदें चुकती जा रही थीं, क्योंकि यहां से जो फैसले लिए जा रहे हैं, उनमें शक्तिसंपन्न, सवर्ण तबकों को ही तवज्जो मिलती है। जो गरीब हैं, वर्ण व्यवस्था में निचले क्रम पर हैं, या अल्पसंख्यक हैं, उनके हित के लिए खैरात की तरह कुछ योजनाएं चलाई जाती हैं, ताकि वे उसी में खुश रहें। अन्याय के इस माहौल में केवल अदालत से लोगों की उम्मीदें बंधी थीं कि यहां चाहे जितनी देर लगे लेकिन जाति, धर्म, धन, लिंग सबके भेद से परे उठकर इंसाफ हासिल होगा। लेकिन जस्टिस शेखर कुमार यादव के भाषण से उस उम्मीद पर एक गहरा प्रहार हुआ है।

गौरतलब है कि विश्व हिन्दू परिषद के विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें जस्टिस शेखर यादव के अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक और मौजूदा जज जस्टिस दिनेश पाठक भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में श्वक्फ बोर्ड अधिनियम, श्धर्मान्तरण–कारण एवं निवारणश और श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिससे समझ आता है कि इस आयोजन का मकसद क्या था। जस्टिस शेखर यादव ने श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता विषय पर बोलते हुए कहा कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? जस्टिस यादव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि हमें किसी का कष्ट देखकर कष्ट होता है, लेकिन आपके यहां ऐसा नहीं होता है। उन्होंने लोकतंत्र को धता बताते हुए यहां तक कह दिया कि हिन्दुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है।

आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए, समाज में भी देखिए। जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है। इसके अलावा सांप्रदायिक नफरत जाहिर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द कठमुल्ला का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस शेखर यादव ने ये भी कहा कि कठमुल्ले देश के लिए घातक हैं। जो कठमुल्ला हैं, शब्द गलत है लेकिन कहने में गुरेज नहीं है, क्योंकि वो देश के लिए घातक हैं. जनता को बहकाने वाले लोग हैं. देश आगे न बढ़े इस प्रकार के लोग हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। जिस तरह से भाजपा और संघ के राजनैतिक एजेंडे को जस्टिस यादव ने आगे बढ़ाया है, उसकी जितनी निंदा की जाए, वो कम है। देश में इस भाषण की काफी चर्चा हो रही है और न्यायपालिका से जुड़े कई लोग इस पर चिंता भी जतला रहे हैं। लेकिन अब वक्त आ गया है कि चिंता जताने से आगे बढ़कर ऐसे अलोकतांत्रिक, सांप्रदायिक और संकुचित विचार रखने वाले न्यायाधीशों पर सीधी कार्रवाई हो, वर्ना न्यायपालिका की साख तो इसमें खत्म होगी ही, लोकतंत्र को जिंदा रखना भी मुश्किल हो जाएगा।

संसद को अप्रासंगिक बनाने धनखड़ और बिरला में होड़

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है, पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर–शराबा किया जाता है। अपने प्रदीर्घ राजनीतिक जीवन के अलग–अलग कालखंडों में विधानसभा से लेकर संसद के दोनों सदनों में बैठ चुके राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह सोमवार को जब संसद परिसर में यह कहते हैं कि श्मैंने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में ऐसा पक्षपाती सभापति नहीं देखा जैसा कि आज आसीन हैश, तो इस पर गम्भीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। उसे केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिये कि वे विपक्ष में हैं तो ऐसा कहेंगे ही। उन्होंने यह बात शिष्टाचारवश राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को ही लेकर सीमित करके कही है क्योंकि वे उसी सदन के बारे में कह रहे थे, जिसके कि वे सदस्य हैं। वरना उनकी बात दोनों ही सदनों के बारे में एक सी लागू होती है– लोकसभा के बारे में भी जिसके अध्यक्ष ओम बिरला हैं। हालांकि अब यह कहना बड़ा मुश्किल है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कौन अधिक सक्रियता और शिद्दत से संसद को अप्रासंगिक बनाने पर तुला है– ओम बिरला या जगदीप धनखड़। वैसे तो बिरला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा से आते हैं इसलिये उनके लिये ऐसी संवैधानिक संस्थाओं का कोई महत्व नहीं हैय और भारतीय जनता पार्टी शासन में ऐसे ही लोगों को ये पद अधिक आसानी से मिलते हैं जो उस आसन को अधिकतम गंदला कर सकें। मटियामेट कर दें। इसलिये अपनी कार्रवाई के दौरान बिरला अक्सर सदस्यों से श्बैठ जाओ,नो...नो, यह नईं चलेगा आपकी बात रेकार्ड में नहीं जायेगी... जैसे शब्दों में डांट–डपट करते रहते हैं।

आगे–पीछे राष्ट्रपति का चुनाव होना है। साफ है कि उस पद की ओर दोनों तेजी से बढ़ना चाहते हैं। धनखड़ की संघ की पार्श्वभूमि नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के सफल वकील होने के साथ जनता दल व कांग्रेस में लम्बा समय काटकर आये हैं। उन्हें संविधान का महत्व मालूम होना चाहिये परन्तु व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की इस होड़ के चलते वे भी लोकतंत्र और जनहित को भंगार कर रहे हैं। इसके कारण पिछले कई सत्रों की भांति ही संसद के मौजूदा सत्र में अब तक कुछ ही घंटे काम हो पाया है। संसद में काम न होने का फायदा हमेशा सत्तारुढ़ दल को होता है। बिरला व धनखड़ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को दिलो–जान से लाभान्वित कर रहे हैं। पिछली दोनों व वर्तमान लोकसभाओं और राज्यसभा में विपक्ष को कुचलने और उसकी आवाज को खत्म करने की सुनियोजित योजना के अंतर्गत दोनों ने अपने संवैधानिक पदों का भरपूर दुरुपयोग किया है। किसी भी मुद्दे पर जिस तरीके से ये दोनों सरकार का बचाव करते अथवा पैरवी करते नजर आते हैं, उससे अधिक शर्मनाक कुछ इसलिये नहीं हो सकता क्योंकि ये दोनों पद पार्टी हितों से बढ़कर जिम्मेदारियों के निर्वहन की अपेक्षा रखते हैं। पूरी संसदीय व्यवस्था इन दोनों पदों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से काम करने पर निर्भर है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ओम बिरला को जब यह पद मिला तो उससे साफ संदेश गया कि जो भी संसदीय परम्परा को जितना बिगाड़ सकता है वह उतना ही अधिक पुरस्कृत होगा। वरना जब भी मिली–जुली सरकार बनती है तो सत्ताधारी दल यह पद किसी सहयोगी पार्टी को प्रदान करता है। मोदी ने ऐसा नहीं किया। उसके पीछे यही कारण था कि वे इन दोनों के जरिये सम्पूर्ण राजनीतिक एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसमें वे काफी हद तक सफल होते भी दिख रहे हैं।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है, पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर–शराबा किया जाता है और जो राई भी नहीं है उसे पर्वत बनाकर सदन को ठप कर दिया जाता है। सरकार से सवाल पूछते ही सत्ताधारी दलों की ओर से विपक्ष पर हमले होते हैं। उस शोर–गुल में संख्या बल के आसरे दोनों सदनों के संचालकगण सरकार की ओर से रखे जाने वाले कानून पारित करा देते हैं जिनमें से ज्यादातर जनविरोधी रहे हैं। पिछले दशक भर से पता नहीं ऐसे कितने कानून भाजपा सरकार द्वारा पारित कराकर देश पर थोपे गये हैं जिन पर पहले चर्चा नहीं की गयी।

लगता है कि संसद को इसी तरह से चलाने के निर्देश सम्भवत

मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मिले हुए हैं। इस टास्क को कौन भली–भंति पूरा करता है– इसी के हिसाब से तय होगा कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा। इस टास्क के साथ यह भी संदेश छिपा हुआ है कि संसद को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना दिया जाये ताकि लोगों का लोकतंत्र से ही मोहभंग हो जाये और भाजपा तथा उसकी मातृ संस्था आरएसएस की मंशा के अनुरूप देश में मनुवादी व्यवस्था स्थापित की जा सके जिसके तहत शासन प्रणाली में लोगों की भागीदारी न हो। बिरला–धनखड़ की जोड़ी एक तरह से अपने–अपने सदनों को अपहृत कर मोदी–शाह के इसी मंसूबे को पूरा कर रही है। देश के गिने–चुने कारोबारियों के पक्ष में काम करने वाली सरकार के लिये ऐसे ही सदन मुफीद होते हैं। देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्हें बोलने के लिये कोई और मंच चाहिये। मोदी प्रेस कांफ्रेंस करते नहीं और सरकार समर्थक मीडिया विपक्ष की बात को नहीं छापता या दिखाता।

छापता–दिखाता भी है तो तोड़–मरोड़कर या उतने हिस्से को ही जिससे सत्ता पक्ष को फायदा हो। ऐसे में यदि राज्यसभा सदस्य कल्याण बैनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) धनखड़ की मिमिक्री करते हैं और उसका राहुल गांधी वीडियो बनाते हैं तो वह स्वाभाविक हैय अथवा राहुल बतलाते हैं कि दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला उनसे (राहुल से) तो तनकर मिलते हैं परन्तु मोदी से झुककर हाथ मिलाते हैं। इस सबके बावजूद यदि प्रतिपक्ष का मुंह बंद रखने पर बिरला–धनखड़ आमादा हैं तो विरोधी दलों के पास इसके अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता कि वे मोदी व गौतम अदानी के मास्क पहनकर संसद परिसर में दोनों की दोस्ती को प्रतीकात्मक तरीके से अभिनीत करें। यह प्रहसन बतलाता है कि संसद ऐसी अप्रासंगिक हो गयी है कि अपनी बात कहने या उन पर होते अन्याय को दर्शाने के लिये निर्वाचित सांसदों को मिमिक्री का सहारा लेना पड़ रहा है।

पार्टी के प्रति निष्ठा कहें या मोदी–शाह का डरय अथवा व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा– इन्हें देश व जनता के हितों से भी ऊपर रख दिया गया है। इसी के चलते एक ओर तो ओम बिरला थोक के भाव में विरोधी सदस्यों को निलम्बित करते हैं, तो वहीं धनखड़ राज्यसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा पर नियम 267 के तहत नोटिस खारिज होने के बावजूद चर्चा के लिये सत्तारुढ़ दलों के सदस्यों को बोलने से रोकते हैंय लेकिन विपक्षी पार्टियों के सदस्यों का बोलना नामंजूर कर देते हैं। यही कारण है कि प्रेस के समक्ष दिग्विजय सिंह को कहना पड़ता है कि इतना पक्षपाती सभापति उन्होंने अपने जीवनकाल में कभी भी नहीं देखा।

लोकतंत्र और न्यायपालिका दोनों खतरे में

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने रविवार आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान वे भाजपा के राजनैतिक एजेंडे और कट्टर हिंदुत्व की सोच को आगे बढ़ाते नजर आए। जस्टिस यादव का भाषण रविवार से ही सोशल मीडिया के जरिए सब ओर पहुंच चुका है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक इस भाषण को पहुंचने में शायद दो दिन लग गए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार दोपहर को एक बयान जारी कर कहा कि उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के उस भाषण का संज्ञान लिया है। जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बयान में कहा– श्इलाहाबाद हाईकोर्ट से और विवरण मंगाया गया है और मामला विचाराधीन है।श वहीं देश के वरिष्ठ वकील, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस, सपा, माकपा आदि दलों के कुछ नेताओं से चर्चा हुई है और वे जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने इस मामले में प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष का सहयोग मांगा है, साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम को देखना चाहिए कि ऐसे लोग जज न बनें।

अदालतों में बैठे लोग हिंदुत्व की पैरोकारी कर रहे हैं, यह बात संविधान की मर्यादा, न्यायपालिका की गरिमा और लोकतंत्र के तकाजों के खिलाफ जरूर है, लेकिन संघ के निर्देशों पर नरेन्द्र मोदी के बनाए नए भारत में यह चलन बढ़ता जा रहा है। इसका सार्वजनिक इजहार तो तभी हो चुका था जब पांच जजों की पीठ ने बाबरी मस्जिद तोड़ कर खाली की गई जमीन को हिंदू पक्ष के हवाले कर दिया और फिर राम मंदिर बनाने की पूरी व्यवस्था भी कर दी। बाबरी मस्जिद तोड़ना अपराध था, यह बात सुप्रीम कोर्ट के फैसले में आने के बावजूद अपराधी खुले घूम रहे हैं, सम्मानित हो रहे हैं, यह नए भारत का सच है। पांच जजों की पीठ में शामिल तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई अब राज्यसभा सांसद हैं। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस साल मार्च में अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दे दिया और फिर दो महीने बाद ही वे भाजपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने उतर गए। फिलहाल न्यायपालिका की साख इतनी बची है कि आसंदी पर बैठे लोगों ने पद पर बने रहते हुए चुनाव लड़ना शुरु नहीं किया है। हालांकि मोदी सरकार चाहेगी तो संविधान में संशोधन कर इसे भी मुमकिन करा देगी। आखिर देश ने मुख्य न्यायाधीश रहे डी वाय चंद्रचूड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक साथ गणेश आरती करती तस्वीरें देश ने देखी ही हैं और इस पर सवाल उठे तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश को इसमें कुछ गलत भी नहीं लगा। बल्कि उन्होंने तो राम मंदिर पर दिए अपने फैसले के बारे में यह भी कहा है कि उन्होंने देवी प्रतिमा के सामने बैठकर इस पर मंथन किया। हाल के इन प्रसंगों के अलावा कई और ऐसे प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें न्यायाधीश मोर के आंसुओं और मोरनी के गर्भवती होने पर ज्ञान दे रहे हैं या घृणा भरे भाषण देने वालों के चेहरों के भाव पढ़ रहे हैं कि उन्होंने गुस्से से ऐसा कहा या मुस्कुराते हुए जहर उगला। ये तमाम उदाहरण यह समझने के लिए काफी हैं कि अब देश के तीसरे स्तंभ न्यायपालिका में भी ऑक्टोपस की तरह हिंदुत्व की भुजाएं दसों दिशाओं से बढ़ चुकी हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों से देश की उम्मीदें चुकती जा रही थीं, क्योंकि यहां से जो फैसले लिए जा रहे हैं, उनमें शक्तिसंपन्न, सवर्ण तबकों को ही तवज्जो मिलती है। जो गरीब हैं, वर्ण व्यवस्था में निचले क्रम पर हैं, या अल्पसंख्यक हैं, उनके हित के लिए खैरात की तरह कुछ योजनाएं चलाई जाती हैं, ताकि वे उसी में खुश रहें। अन्याय के इस माहौल में केवल अदालत से लोगों की उम्मीदें बंधी थीं कि यहां चाहे जितनी देर लगे लेकिन जाति, धर्म, धन, लिंग सबके भेद से परे उठकर इंसाफ हासिल होगा। लेकिन जस्टिस शेखर कुमार यादव के भाषण से उस उम्मीद पर एक गहरा प्रहार हुआ है। गौरतलब है कि विश्व हिन्दू परिषद के विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें जस्टिस शेखर यादव के अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक और मौजूदा जज जस्टिस दिनेश पाठक भी शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में श्वक्फ बोर्ड अधिनियमश, श्धर्मान्तरण–कारण एवं निवारणश और श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यताश जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिससे समझ आता है कि इस आयोजन का मकसद क्या था। जस्टिस शेखर यादव ने श्समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता विषय पर बोलते हुए कहा कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? जस्टिस यादव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि हमें किसी का कष्ट देखकर कष्ट होता है, लेकिन आपके यहां ऐसा नहीं होता है। उन्होंने लोकतंत्र को धता बताते हुए यहां तक कह दिया कि हिन्दुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है।

आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए, समाज में भी देखिए। जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है।श इसके अलावा सांप्रदायिक नफरत जाहिर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द कठमुल्ला का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस शेखर यादव ने ये भी कहा कि श्कठमुल्लेश देश के लिए घातक हैं। श्जो कठमुल्ला हैं, श्शब्दश गलत है लेकिन कहने में गुरेज नहीं है, क्योंकि वो देश के लिए घातक हैं. जनता को बहकाने वाले लोग हैं. देश आगे न बढ़े इस प्रकार के लोग हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है। जिस तरह से भाजपा और संघ के राजनैतिक एजेंडे को जस्टिस यादव ने आगे बढ़ाया है, उसकी जितनी निंदा की जाए, वो कम है। देश में इस भाषण की काफी चर्चा हो रही है और न्यायपालिका से जुड़े कई लोग इस पर चिंता भी जतला रहे हैं। लेकिन अब वक्त आ गया है कि चिंता जताने से आगे बढ़कर ऐसे अलोकतांत्रिक, सांप्रदायिक और संकुचित विचार रखने वाले न्यायाधीशों पर सीधी कार्रवाई हो, वर्ना न्यायपालिका की साख तो इसमें खत्म होगी ही, लोकतंत्र को जिंदा रखना भी मुश्किल हो जाएगा।

गोरखपुर मेडिकल में छत का प्लास्टर गिरने से गायनी विभाग की पूर्व अध्यक्ष का सिर फटा, लगे आठ टांके

एनेस्थीसिया विभाग के पास जर्जर रैंप के बीम से गिरा प्लास्टर का टुकड़ा, खून से लथपथ पहुंचीं प्राचार्य कार्यालय, सर्जरी विभाग ने किया उपचार

संवाददाता, गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज के गायनी विभाग की पूर्व अध्यक्ष के सिर पर क्षतिग्रस्त रैंप के बीम का प्लास्टर गिरने से सिर फट गया। आनन–फानन में सर्जरी विभाग के डाक्टरों ने उपचार किया। आठ टांके लगाए गए। इसके दृष्टिगत शिक्षकों, विद्यार्थियों व रोगियों में दहशत है।

नेहरू अस्पताल के एनेस्थीसिया विभाग के पास बने इस रैंप के पिलर व बीम 2015 में नेपाल में आए भूकंप के दौरान क्षतिग्रस्त हो गए थे। तभी यह बनवाया नहीं गया है। आए दिन प्लास्टर के टुकड़े डाक्टरों व रोगियों पर गिरते रहते हैं। पूर्व विभागाध्यक्ष गायनी विभाग से लेबर कांप्लेक्स की तरफ जा रही थीं। वह रैंप के पास पहुंची ही थीं कि प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा उनके सिर पर गिर गया। सिर फट गया। खून बहने लगा। सिर को एप्रन (डाक्टरों का ड्रेस) से दबाकर उन्होंने खून रोकने की कोशिश की और सीधे प्राचार्य कार्यालय पहुंच गईं। वहां से स्वास्थ्यकर्मी उन्हें सर्जरी विभाग ले गए। विभागाध्यक्ष डा. अशोक यादव, डा. योगेश पाल, प्लास्टिक सर्जन डा. नीरज नाथानी की टीम ने उनका उपचार शुरू किया। उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बीआरडी के छत का प्लास्टर गिरने से गायनी विभाग की पूर्व अध्यक्ष का सिर फट गया। उन्हें आठ टांके लगाने पड़े। यह घटना क्षतिग्रस्त रैंप के बीम का प्लास्टर गिरने से हुई। इस घटना से चिकित्सकों और कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया है।

चिकित्सकों–कर्मचारियों में भय व्याप्त

इस घटना को लेकर चिकित्सकों व कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया है। उनका कहना है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घट सकती है। इसी रास्ते मेडिसिन इमरजेंसी वार्ड नंबर 11 में भी मरीज जाते हैं। रूटीन ओटी के रोगियों को आपरेशन के बाद वार्डों में शिफ्ट करने के लिए इसी रास्ते से ले जाया जाता है। जूनियर महिला डाक्टर व एमबीबीएस छात्राएं भी इसी मार्ग से अपने हास्टल जाती हैं। एक चिकित्सक ने तो यहां तक कह दिया कि लगता है अब हेलमेट लगाकर ड्यूटी करनी पड़ेगी।

बीआरडी मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. रामकुमार जायसवाल ने कहा कि शिक्षक–चिकित्सक के सिर पर प्लास्टर का गिरना निश्चित तौर पर दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। तत्काल उनका उपचार कराया गया। ऐसी घटना दोबारा न घटे, इसकी व्यवस्था की जा रही है। पिलर व बीम की मरम्मत कराई जाएगी।

नौ साल से डाक्टर, कर्मचारियों व रोगियों पर मंडरा रहा खतरा

बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल में नौ साल से डाक्टरों, कर्मचारियों, रोगियों व तीमारदारों पर खतरा मंडरा रहा है। नौ साल पहले 2015 में आए भूकंप का असर बीआरडी मेडिकल कालेज के नेहरू अस्पताल के भवनों पर भी पड़ा था। एनेस्थीसिया विभाग के पास बने रैंप के पिलर व बीम क्षतिग्रस्त हो गए थे। उनके प्लास्टर लगातार टूटकर गिर रहे हैं और लोग घायल हो गए हैं।

दैनिक जागरण इस समस्या पर लगातार कालेज प्रशासन का ध्यान आकर्षित करता रहा, लेकिन आज तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। प्रबंधन की लापरवाही से आए दिन लोग चोटिल हो रहे हैं। ताजा मामला बीआरडी मेडिकल कालेज के गायनी विभाग की पूर्व अध्यक्ष का है। उनका सिर फट गया। राहत की बात यह है कि सीटी स्कैन रिपोर्ट सामान्य आई है। वह अपने घर चली गई हैं, लेकिन इस घटना के बाद चिकित्सकों व कर्मचारियों में भय व्याप्त हो गया है। उनका कहना है कि अगर इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घट सकती है। इसी रास्ते मेडिसिन इमरजेंसी वार्ड नंबर 11 में भी मरीज जाते हैं। रूटीन ओटी के रोगियों को आपरेशन के बाद वार्डों में शिफ्ट करने के लिए इसी रास्ते से ले जाया जाता है। जूनियर महिला डाक्टर व एमबीबीएस छात्राएं भी इसी मार्ग से अपने हास्टल जाती हैं। एक चिकित्सक ने तो यहां तक कह दिया कि लगता है कि अब हेलमेट लगाकर ड्यूटी करनी पड़ेगी। भूकंप के बाद रैंप व आपरेशन थियेटर की दीवार में आई दरार अब भी जस की तस है। मरम्मत की जगह लोहे के पाइप लगाकर क्षतिग्रस्त पिलर व बीम को मजबूती देने की कोशिश की गई है। गायनी विभाग के वार्ड नंबर सात से आगे बढ़ने पर छत को सहारा देने के लिए जिस जगह लोहे की पाइप लगाई गई है, वहां से दीवार का हिस्सा टूटकर गिर चुका है। इसी रास्ते से रोगियों, डाक्टरों, कर्मचारियों को वार्डों व आपरेशन थियेटर में जाना पड़ता है। जिस छत में दरार आई है उसके ऊपरी मंजिल पर जनरल सर्जरी, आर्थो सर्जरी, गायनी विभाग व ईएनटी का रूटीन आपरेशन थियेटर है। प्राचार्य डा. रामकुमार जायसवाल ने शीघ्र इसकी मरम्मत कराने की बात कही है।

गोरखपुर। वैज्ञानिक राम मिलन ने बताया कि वह हमेशा पत्नी आरती से कहते थे कि बेटे के गुण श्रवण कुमार से मिलते हैं। वह हमलोगों के बारे में इतनी कम उम्र में ही सोचने लगा है। मां की हत्या के आरोप में बाल सुधार गृह में बंद वैज्ञानिक का बेटा गलती पर पछता रहा है। उससे मिलने एक रिश्तेदार गए थे। उनसे रो–रोकर एक ही बात कह रहा था–पापा से कह देना मुझे माफ कर दें, उनका बेटा आज भी श्रवण कुमार ही है...। पुलिस को सौंपते हुए वैज्ञानिक राममिलन ने कहा था कि जिस बेटे को हम पति–पत्नी श्रवण कुमार मानते थे, वही अब हमारा दुश्मन बन गया। उसी कलंक से आहत बेटा बृहस्पतिवार को अपने रिश्तेदार के सामने फट पड़ा और पिता के लिए उनसे ही संदेश भिजवाया।

बाल सुधार गृह में ऐसी कटी पहली रात

गुलरिहा इलाके के शिवपुर सहबाजगंज स्थित बाल सुधार गृह में 250 से अधिक नाबालिग दुष्कर्म, मारपीट, चोरी और हत्या के केस में बंद हैं। वह भी इन बच्चों से अलग दिनभर अकेले ही बैठा रहा। बहुत प्रयास के बाद उसने थोड़ा खाना खायाा। पहली रात उसने करवटें बदलकर बिताई।

वैज्ञानिक राम मिलन पत्नी से हमेशा कहते थे ये बात...

वैज्ञानिक राम मिलन ने बताया कि वह हमेशा पत्नी आरती से कहते थे कि बेटे के गुण श्रवण कुमार से मिलते हैं। वह हमलोगों के बारे में इतनी कम उम्र में ही सोचने लगा है। यही वजह थी कि मां की देखभाल के लिए चेन्नई से उसे गोरखपुर भेज दिया था।

शेयर मार्केट में लगाता था रुपये

बताया जा रहा है कि वैज्ञानिक के बेटे को चेन्नई से ही कम उम्र में रुपये कमाने की लत लग गई थी। वह शेयर मार्केट में रुपये लगाता था। उसके डीमैट अकाउंट में अब भी 15 हजार रुपये हैं। वह अपनी अलग पहचान बनाना चाहता था। उसे लगता था कि वह गोरखपुर में यह सब नहीं कर पाएगा, इसलिए परेशान रहने लगा था। पुलिस जांच के मुताबिक यही वजह थी कि दो दिसंबर को सुबह स्कूल जाने का दबाव बनाने पर गलती से मां आरती को धकेल दिया था। इसके बाद एक झूठ छिपाने के लिए उसे कई झूठ बोलने पड़े।

स्कूल से भागता था बेटा

बताया जा रहा है कि राममिलन के साथ रहकर बेटे ने चेन्नई में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के स्कूल में हाईस्कूल तक पढ़ाई की थी। वह पढ़ने में भी बहुत तेज था। गणित से इंटर की पढ़ाई कर रहा था। इंजीनियर बनना चाहता था। चेन्नई से पढ़ाई करने के बाद जब गोरखपुर आया तो यहां का स्कूल बिल्कुल भी नहीं भा रहा था, इसलिए वह हमेशा स्कूल जाने से मना करता था। पिता से कई बार उसने चेन्नई बुलाने का आग्रह भी किया था।

बड़े शहरों के फाइव स्टार होटलों में चोरी करने वाला अंतरराज्जीय चोर गिरफ्तार पुलिस ने एक झटके में किया पर्दाफाश

गुजरात के वलसाड़ जिले का रहने वाला जयेश, 24 वर्ष में कर चुका है 24 बड़ी चोरी 16 नवंबर को होटल कोर्ट यार्ड मैरियट में आयोजित तिलक समारोह से चुराए थे गहने करनाल जेल से छूटने के बाद आया था गोरखपुर,मुंबई के होटल ताज से शुरू की थी चोरी

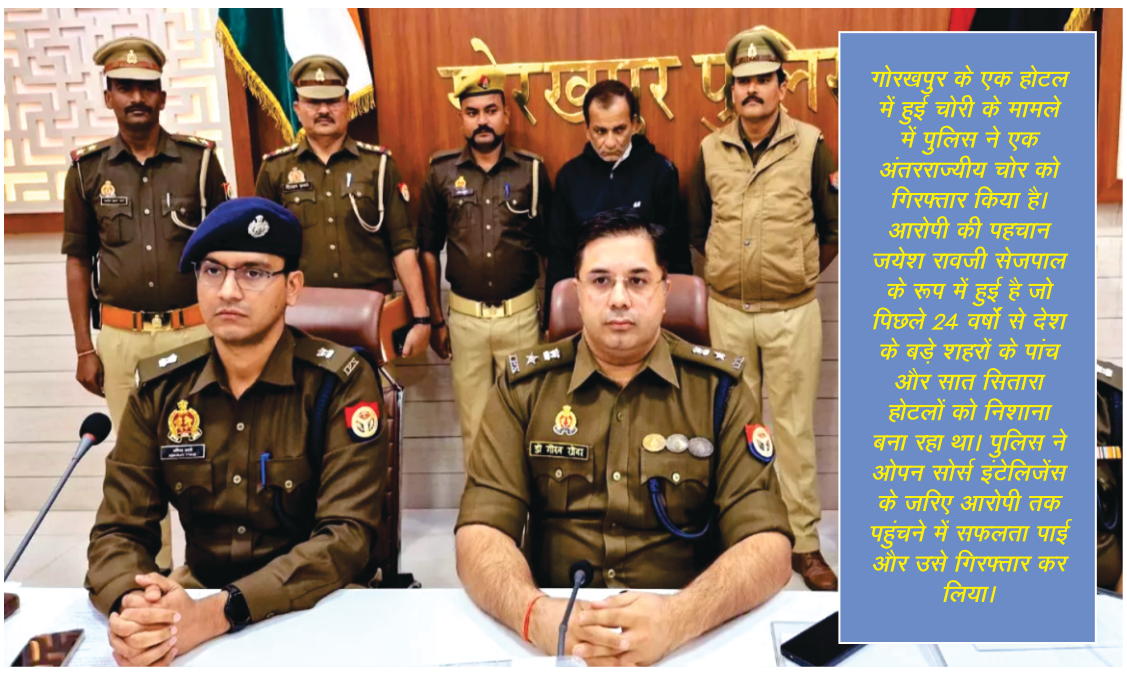

गोरखपुर के एक होटल में हुई चोरी के मामले में पुलिस ने एक अंतरराज्यीय चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जयेश रावजी सेजपाल के रूप में हुई है जो पिछले 24 वर्षों से देश के बड़े शहरों के पांच और सात सितारा होटलों को निशाना बना रहा था। पुलिस ने ओपन सोर्स इंटेलिजेंस के जरिए आरोपी तक पहुंचने में सफलता पाई और उसे गिरफ्तार कर लिया।

संवाददाता,गोरखपुर। रामगढ़ताल स्थित कोर्टयार्ड होटल में 16 नवंबर को हुई चोरी की घटना का पर्दाफाश करना पुलिस के लिए कड़ी चुनौती थी। चोर ने होटल के एक कमरे में घुसकर कीमती जेवर चुराए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की, जो होटल के अंदर और बाहर जाते हुए दिखाई दिया।

यह व्यक्ति था जयेश रावजी सेजपाल, एक अंतरराज्जीय चोर, जो पिछले 24 वर्षों से भारत के बड़े शहरों के पांच और सात सितारा होटलों को अपना निशाना बना रहा था। पुलिस ने ओपन सोर्स इंटेलिजेंस के जरिए इस आरोपित तक पहुंचने का प्रयास किया और बुधवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने बुधवार की दोपहर पुलिस लाइन में प्रेस वार्ता कर बताया कि जयेश रावजी सेजपाल, गुजरात के वलसाड जिले में स्थित वापी का रहने वाला है। गोरखपुर के होटल में चोरी करने की उसकी कार्यप्रणाली बेहद योजनाबद्ध थी। वर्ष 2002 में चोरी की शुरुआत मुंबई के प्रसिद्ध ताज होटल से की थी, जहां वह पकड़ा गया था। हालांकि, इसके बाद भी उसने अपनी गतिविधियां जारी रखी और कई बड़े होटलों में चोरी की। वर्ष 2023 में उसे हरियाणा के करनाल में गिरफ्तार किया गया था और तब से उसके खिलाफ कई मामले दर्ज थे। आठ नवंबर को वह जेल से छूटा था। 16 नवंबर की सुबह बस से गोरखपुर आया और शाम को होटल मैरियट में पहुंचा। भतीजे के तिलक समारोह में आए बशातरपुर के अनूप बंका के कमरे को मास्टर चाबी से खोलकर उसमें रखे 13 लाख रुपये के गहने व सामान चुराकर मुंबई चला गया। रामगढ़ताल पुलिस ने डिजिटल तकनीक से उसकी पहचान की इसके बाद हरियाणा पुलिस से संपर्क किया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य विवरणों का मिलान करने के बाद यह साबित हो गया कि जयेश रावजी सेजपाल ने ही होटल में चोरी की है। बुधवार को उसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के गहने व सामान बरामद किया गया।दोपहर बाद पुलिस ने जयेश को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एसएसपी ने बताया कि अंतरराज्जीय चोर को पकड़ने वाली टीम को 25 हजार रुपये इनाम दिया गया है।

बरामद हुआ यह सामान

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने जयेश के पास से कुछ महत्वपूर्ण सामान बरामद किया, जिसमें एक पीली धातु की अंगूठी, सफेद धातु की अंगूठी, दो चेन, टिस्टो कंपनी की एक घड़ी, एक पेडेंट सेट, सफेद धातु की कान की बाली, सफेद और पीली धातु में एक जोड़ा कान की बाली, एक मोबाइल फोन, एक एंड्रॉयड फोन, चार आधार कार्ड, एक पैन कार्ड और 12,270 रुपये नकद शामिल हैं।

यूपी का हर व्यक्ति 31 हजार का कर्जदार

अखिलेश सरकार की तुलना में दोगुना, प्रति व्यक्ति आय गुजरात से 3 गुना कम

1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए सरकार के प्रयास

- विश्व की बड़ी फर्म डिलायट को सलाहकार संस्था नियुक्त किया।
- प्रदेश में निवेश को बढ़ाने के लिए निवेश प्रोत्साहन नीतियां लागू कर निवेशकों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।
- 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव में से 12 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों पर काम शुरू हो गया है।
- किसानों की आय बढ़ाने के लिए एमएसपी पर फसलों की खरीद की व्यवस्था शुरू की गई है।
- ढांचागत विकास के लिए नए एक्सप्रेसवे, रिंग रोड और हाईवे बनाए जा रहे हैं।
- आध्यात्मिक, ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है।

यूपी की जीएसडीपी हर साल बढ़ रही

वित्तीय वर्ष	जीएसडीपी
2011-12	₹ 7,24,530
2012-13	₹ 8,20,347
2013-14	₹ 9,40,598
2014-15	₹ 9,55,953
2015-16	₹ 11,53,795
2016-17	₹ 12,75,141
2017-18	₹ 13,75,607
2018-19	₹ 15,42,432
2019-20	₹ 17,94,508
2020-21	₹ 17,05,594
2021-22	₹ 18,63,221
2022-23	₹ 22,57,575
2023-24	₹ 23,61,462
2024-25	₹ 24,99,076

नोट- जीएसडीपी (सकल राज्य घरेलू उत्पाद) के आंकड़े करोड़ में है।

सबसे ज्यादा प्रति व्यक्ति कर्ज वाले राज्य

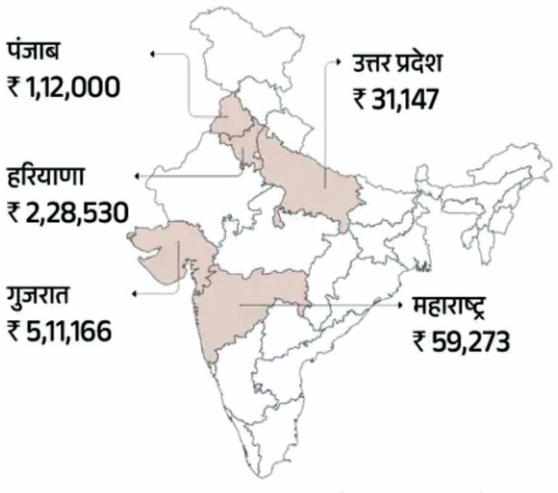

Map Source: Map of India मैप प्रतीकात्मक है

नोट- आंकड़े 2023-24 के हैं।

योगी सरकार के पहले कार्यकाल से दो गुना बढ़ा प्रदेश पर कर्ज

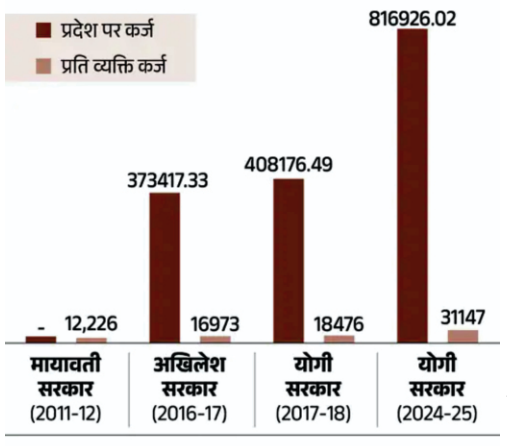

बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की तुलना में हमारी स्थिति

बड़ी अर्थव्यवस्था वाले राज्यों की तुलना में यूपी का प्रति व्यक्ति कर्ज काफी कम है। गुजरात के मुकाबले यूपी में प्रति व्यक्ति कर्ज 16 गुना कम है।

लखनऊ। योगी सरकार ने यूपी को 2028 तक वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने का टारगेट रखा है। अभी यूपी की अर्थव्यवस्था 310 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। टारगेट पूरा करने के लिए इसे 3 गुना से ज्यादा बढ़ाना होगा, लेकिन चुनौतियां कम नहीं हैं। प्रति व्यक्ति आय और प्रदेश में लगातार कर्ज बढ़ रहा है। प्रदेश पर 2024–25 में 8.16 लाख करोड़ से ज्यादा कर्ज होने का अनुमान है। प्रति व्यक्ति कर्ज 31 हजार रुपए से ज्यादा है। हर आम आदमी पर मायावती सरकार की तुलना में ढाई गुना और अखिलेश सरकार से दो गुना कर्ज बढ़ा है। हालांकि, पिछले 13 साल में प्रति व्यक्ति आय भी ढाई गुना बढ़ी है। पढ़िए यूपी की आर्थिक सेहत की स्थिति, वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए क्या चुनौतियां हैं?

अखिलेश सरकार की तुलना में दो गुना हुआ कर्ज

बीते 13 साल में यूपी में प्रति व्यक्ति कर्ज ढाई गुना से अधिक बढ़ गया है। मायावती सरकार में प्रति व्यक्ति पर 12 हजार 226 रुपए कर्ज था, जो अब बढ़कर 31 हजार 147 रुपए हो गया है। सपा की अखिलेश सरकार में यह कर्ज 16 हजार 973 रुपए था।

प्रति व्यक्ति आय में 6 राज्यों से पीछे हैं यूपी वाले

प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से भी यूपी देश के 6 राज्यों से पीछे है। तेलंगाना 3.47 लाख रुपए प्रति व्यक्ति आय के साथ पहले पायदान पर है। गुजरात 2.72 लाख रुपए के साथ 5वें और महाराष्ट्र 2.52 लाख रुपए के साथ छठे पायदान पर है। बीते 13 साल में प्रति व्यक्ति आय ढाई गुना से अधिक बढ़ी है, लेकिन अभी भी हम मुकाबले में पीछे हैं। हालांकि, मायावती सरकार की तुलना में दो गुना प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। बसपा सरकार (2011–12) में प्रति व्यक्ति आय 41 हजार 142 रुपए थी। समाजवादी पार्टी के शासन में 2016–17 में प्रति व्यक्ति आय 50 हजार 203 रुपए थी। योगी सरकार (2023–24) में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 94 हजार 514 रुपए हो गई है।

अखिलेश सरकार की तुलना में दो गुना हो गई यूपी की जीएसडीपी

योगी सरकार के साढ़े 7 साल के कार्यकाल में यूपी का सकल राज्य घरेलू उत्पाद में करीब दो गुना बढ़ी है। समाजवादी पार्टी के शासन में 2016–17 में यूपी की जीडीपी 12 लाख 75 हजार 141 करोड़ रुपए थी। यह 2023–24 में बढ़कर 23 लाख 61 हजार 462 करोड़ रुपए हो गई है। 2024–25 में जीडीपी 24 लाख 99 हजार 76 करोड़ होने का अनुमान है।

मामले में हमसे आगे सिर्फ महाराष्ट्र और गुजरात हैं। महाराष्ट्र की जीडीपी (2023–24) में 38 लाख 79 हजार 792 करोड़ रुपए है। इसके 2024–25 में 42 लाख 67 हजार 771 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। वहीं, गुजरात की जीडीपी 2023–24 में 25.63 लाख करोड़ रुपए रही, 2024–25 में 27.90 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है।

1- सभी सेक्टर्स को 3 हिस्सों में बांटा

प्राइमरी सेक्टर में कृषि, उद्यानिकी को शामिल किया गया है। सेकंड्री सेक्टर में कंस्ट्रक्शन, रियल एस्टेट और तीसरे सेक्टर में सूचना एवं प्रौद्योगिकी, पर्यटन, परिवहन को रखा गया है। अर्थशास्त्री मानते हैं कि यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लिए GSDP की वार्षिक वृद्धि दर 25 फीसदी से ज्यादा रखनी होगी। इतनी ज्यादा वृद्धि दर के लिए निवेश, व्यापार, निर्यात, कृषि, ढांचागत विकास के साथ रोजगार को बढ़ावा देना होगा।

2- तीन स्तरीय निगरानी की जाएगी

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए 3 स्तरीय निगरानी की व्यवस्था है। योजना विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में कमेटी ऑफ एक्सपर्ट बनी है। इसमें सीएम के आर्थिक सलाहकार केबी राजू, प्रशासनिक सलाहकार अवनीश अवस्थी, डिलायट के अधिकारी शामिल हैं। दूसरे स्तर पर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हाईपावर कमेटी बनी है। इसमें सभी संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव शामिल हैं। इसकी बैठक 3 महीने के अंतराल पर होती है। मुख्यमंत्री कार्यालय (ब्डव) की ओर से भी इसकी लगातार निगरानी की जाती है। सीएम योगी आदित्यनाथ 6 महीने के अंतराल पर प्रगति की समीक्षा करते हैं।

यह है चुनौती

डिलायट के सूत्रों के मुताबिक, वन ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

यूपी में 2027–28 तक 105 से 120 लाख करोड़ रुपए का निवेश जरूरी होगा।

निवेशकों के लिए 2026–27 तक 2 लाख एकड़ भूमि उपलब्ध कराना होगा।

जमीन का भाव लगातार बढ़ना चाहिए।

कृषि की पैदावार को बढ़ाना होगा।

प्रदेश के डैडम के साथ बड़े औद्योगिक उत्पादों का निर्यात बढ़ाना होगा।

जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम में आ रहा बदलाव भी बड़ी चुनौती है।

23-24 फीसदी ग्रोथ हर साल चाहिए, जो वर्तमान में नहीं है

लखनऊ यूनिवर्सिटी की अर्थशास्त्र की प्रोफेसर रोली मिश्रा कहती हैं– यह टारगेट बहुत बड़ा है, लेकिन असंभव नहीं। इस टारगेट को पूरा करने के लिए अर्थव्यवस्था में 23–24 फीसदी ग्रोथ हर साल होना जरूरी है। यह वर्तमान में दिख नहीं रही है। सबसे महत्वपूर्ण है, कृषि क्षेत्र को मजबूत करने की जरूरत है। हमारी अर्थव्यवस्था कृषि आधारित है। कृषि की स्थिति को सुधारे बिना जीडीपी में हमारी भागीदारी कम रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार निवेश को लाने पर ध्यान दे रहे हैं। कृषि और उद्योग एक–दूसरे के पूरक हैं।

लक्ष्य के करीब पहुंच जाएंगे

लखनऊ यूनिवर्सिटी के ही अर्थशास्त्र के प्रोफेसर एमके अग्रवाल कहते हैं– यूपी की अर्थव्यवस्था अब 32 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच रही है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वन ट्रिलियन का टारगेट बड़ा है। महाकुंभ से भी अर्थव्यवस्था की ग्रोथ बढ़ाने में मदद मिलेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हम बहुत आगे बढ़ गए हैं। यूपी में बड़ी संख्या में बीपीएल के दायरे से परिवार बाहर आए हैं। ऐसे परिवारों ने अब नया मध्यम वर्ग बनाया है। यह नया मिडिल क्लास भी ग्रोथ को बढ़ाने में मदद करेगा। यूपी में कानून व्यवस्था अब कोई समस्या नहीं रह गई है, इसलिए निवेशक भी आ रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट का फायदा भी मिलेगा।

यूपी के 25 जिलों में कोल्ड-वेव अलर्ट

मथुरा में श्रीकृष्ण को टोपी-दस्ताने पहनाए, 30 शहरों में कोहरा

कानपुर/मेरठ/अयोध्या/मथुरा। यूपी में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग ने 25 जिलों में कोल्ड वेव यानी शीतलहर का अलर्ट जारी किया है। जबकि 30 शहरों में घना कोहरा छाया है।

कई जगहों पर विजिबिलिटी 50 मीटर तक रह गई। प्रदेश में बीती रात सबसे कम पारा अयोध्या में दर्ज किया गया। यहां 4.5 डिग्री तक पहुंच गया।

मथुरा में भगवान राधा दामोदर लाल (श्रीकृष्ण) को ऊनी टोपी और हाथों में दस्ताने पहनाए गए हैं।

मथुरा में गलन भरी सर्दी, पारा 8 डिग्री

मथुरा में गलन भरी सर्दी है। शुक्रवार सुबह हल्का कोहरा छाया हुआ है। 15 किलोमीटर की स्पीड से हवाएं चल रही हैं। न्यूनतम तापमान 8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, पहाड़ों से आ रही ठंडी हवाओं के चलते 3–4 दिन में यहां ठंड बढ़ेगी।

अयोध्या का पारा 4.5 डिग्री...लेकिन अभी और गिरेगा

अयोध्या में प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंड है। यहां शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4 डिग्री कम है। सुबह हल्का कोहरा छाया है। ठंड के चलते रामनगरी की सड़कों पर सन्नाटा दिखाई दिया। राम मंदिर और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम रही।

आजमगढ़ में ठंड से महिला की मौत

आजमगढ़ में बुधवार को ठंड से महिला की मौत हो गई। पति हौसिला का कहना है कि मंगलवार रात खाना खाने के बाद कुमारी (45) आराम करने चली गई। बुधवार सुबह देर तक नहीं उठी तो जगाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। ठंड से मौत की सूचना पर नायाब तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

मेरठ में महिला वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट रखा

8.30 लाख ठगे, किडनैपिंग और मनी लान्ड्रिंग में फंसाने की धमकी दी

मेरठ। साइबर लुटेरों ने महिला वैज्ञानिक डॉ. निशा वर्मा को 24 घंटे डिजिटल अरेस्ट रखा। बच्चों की किडनैपिंग और मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने की धमकी दी। सैलरी अकाउंट के 99: पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा। महिला वैज्ञानिक से 8.30 लाख रुपए अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने 11 दिसंबर को रिपोर्ट दर्ज कर साइबर अपराधियों की तलाश शुरू कर दी है।

पल्लवपुरम फेस–2 निवासी डॉ. निशा वर्मा मोदीपुरम स्थित भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान में वैज्ञानिक हैं। निशा वर्मा की ओर से दर्ज थ्प्ट के मुताबिक, 10 दिसंबर को उनके पास एक कॉल आई। कॉल किसी महिला की थी। महिला ने कहा कि वह टेलिकॉम डिपार्टमेंट में अधिकारी हैं। आपके नंबर से गलत गतिविधियां हो रही हैं।

आपका नंबर दो घंटे में ब्लॉक कर दिया जाएगा। निशा वर्मा ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है तो महिला ने धमकाते हुए कहा कि भ्क्ष्ब् बैंक में आपके नाम से गलत गतिविधियां हुई हैं। मैं आपकी कॉल साइबर क्राइम डिपार्टमेंट में ट्रांसफर कर रही हूं। वहां से आप पूरा क्लीयरेंस ले लीजिए। उसके बाद ही आपका मोबाइल ऑन हो पाएगा। इसके बाद उनके मोबाइल पर वॉट्सऐप वीडियो कॉल आई। कॉल करने वाले ने कहा कि वह साइबर क्राइम डिपार्टमेंट से है।

17 परिवारों के बच्चों का अपहरण हो गया, आपकी अरेस्टिंग होगी

निशा वर्मा को कॉल करने वाले ने बताया कि आपका मोबाइल मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी में इस्तेमाल हो रहा है। 17 परिवारों के बच्चों का अपहरण हो गया है। हमारे डिपार्टमेंट पर सवाल उठ रहे हैं। हमें आपको वहां आकर गिरफ्तार करना पड़ेगा। अगर आप कहें तो आपको हम डिजिटल सर्विलांस में भी ले सकते हैं। निशा वर्मा इस पूरे वाकये से दहशत में आ गईं।

अभिनेत्री के बेटे की हत्या!

सागर की नाक से आ रहा था खून... दो दोस्तों ने पुलिस को बताई चौंकाने वाली कहानी

बरेली। अभिनेत्री सपना सिंह के बेटे की मौत पर अभिनेत्री सपना और परिजनों ने बेटे का शव रखकर बीसलपुर रोड पर जाम लगा दिया। पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान सपना के बेटे के दोस्तों ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ननिहाल में रह रहे बेटे की संदिग्ध हालात में मौत से बदहवास अभिनेत्री सपना सिंह मुंबई से लौटीं तो विरोध में शव बीसलपुर रोड पर रखकर ग्रामीणों के साथ जाम लगा दिया। करीब डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा, जिससे दोनों ओर वाहनों की कतारें लग गईं। सीओ फरीदपुर के समझाने पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। मामले में बेटे के दोस्तों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है। क्राइम पेट्रोल और माटी की बन्नो समेत कई सीरियल में काम कर चुकीं सपना सिंह मंगलवार को मुंबई से भुता थाना क्षेत्र के गांव रसूला स्थित मायके लौटीं और इकलौते बेटे का शव देखकर फफक पड़ीं। ग्रामीणों में पहले से ही घटना को लेकर गुस्सा था। परिवार के लोगों के साथ ग्रामीणों ने गांव में बीसलपुर रोड पर जाम लगा दिया। महिलाएं सड़क पर बैठ गईं। थोड़ी देर में चारपाई पर शव लाकर रोड पर रख लिया गया और दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने की मांग की। सीओ फरीदपुर आशुतोष शिवम के साथ ही भुता व फरीदपुर थाना पुलिस मौके पर आ गई सीओ ने परिवार के सामने ही बारादरी थाना प्रभारी से फोन पर बात की। परिवार को ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर भेज दिया।

यह है मामला

अभिनेत्री सपना सिंह का 14 वर्षीय बेटा सागर शहर की आनंद विहार कॉलोनी में अपने मामा ओमप्रकाश के पास रहता था। वह निजी स्कूल में आठवीं का छात्र था। सागर का शव रविवार सुबह बरेली के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के अदलखिया गांव के पास पड़ा मिला। इज्जतनगर पुलिस ने अज्ञात के तौर पर शव का पोस्टमार्टम कराया। सागर की नाक से खून आ रहा था। पोस्टमार्टम में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। हालांकि जहर या नशे की ओवरडोज से मौत के संकेत नहीं मिले तो शव का विसरा सुरक्षित कर दिया गया।

विजिबिलिटी 80 मीटर–लखनऊ में जानवरों के लिए हीटर लगाए, बुलंदशहर सबसे ठंडा, पारा 6°C

यूपी के 8 शहरों में कोल्ड वेव

लखनऊ,संवाददाता । यूपी में पहाड़ों पर बर्फबारी का असर दिख रहा है। 8 शहरों में कोल्ड वेव यानी शीतलहर चल रही है। 10 शहरों में घना कोहरा छाया हुआ है। विजिबिलिटी 80 मीटर रह गई है। हेडलाइट जलाकर गाड़ियां चल रही हैं। ठंड इतनी है कि लखनऊ के चिड़ियाघर में जानवरों के लिए हीटर लगाए गए हैं। मंगलवार की बात करें तो प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान 10°C पहुंच गया। अधिकतम तापमान 24°C रिकॉर्ड किया गया।

बुलंदशहर का न्यूनतम पहुंच गया। बताया सबसे ठंडा शहर रहा। यहां तापमान 6°C तक मौसम विभाग ने – आने वाले 3 दिन तक कोल्ड वेव चलेगी। इससे गलन और बढ़ेगी।

लखनऊ में कोल्ड वेव, गलन बढ़ी

लखनऊ में कोल्ड वेव चल रही है। इससे गलन बढ़ गई है। सुबह से हल्की धुंध के साथ में धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शहर का अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के आसपास रहेगा।

कानपुर देहात में कोहरा छाया, पारा 8 डिग्री

कानपुर देहात में सुबह से घना कोहरा छाया हुआ है। तेज हवाएं चल रही हैं। इससे तापमान में गिरावट आई है। यहां का न्यूनतम तापमान 8 डिग्री और अधिकतम तापमान 22 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

हल्के बादलों से रात का पारा बढ़ा

मौसम वैज्ञानिक सुनील पांडेय ने बताया– कोल्ड वेव का असर पूरे प्रदेश तक पहुंच गया है। हल्के बादलों से रात का पारा बढ़ गया है। दिन का कम हो गया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान का अंतर घटने से सर्दी का एहसास बढ़ रहा है।

दिसंबर के आखिरी हफ्ते होंगे कोल्ड डे

मौसम विज्ञानी डॉ. SN सुनील पांडेय ने बताया– चक्रवाती तूफानों के कारण यूपी का मौसम मई से असंतुलित चल रहा है। बारिश भी कम हुई है। सर्दी के स्थान पर गर्मी जैसा एहसास हो रहा है। 12 दिसंबर से कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। दिसंबर के आखिरी हफ्ते में 3 दिन इस बार कोल्ड–डे रहने के आसार हैं।

दो दिन में अधिकतम तापमान में 3.5 डिग्री की गिरावट, मौसम विभाग ने की भविष्यवाणी

मौसम ने अचानक से करवट लिया। ताजनगरी आगरा शीतलहर की चपेट में है। सर्दी की शुरुआत ने ही लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। लोग दिन में भी टोपी और दस्ताने पहने नजर आ रहे हैं।

आगरा के अधिकतम तापमान में गिरावट के साथ मौसम में सर्दी ने दस्तक दे दी है। दिन में चलने वाली ठंडी हवाओं ने गलन बढ़ा दी है, जिससे लोग दिन में भी टोपी और दस्ताने पहने नजर आ रहे हैं। पिछले दो दिनों में शहर का अधिकतम तापमान में 3.5 और न्यूनतम तापमान में 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। आगामी सप्ताह में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट आएगी। दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में मौसम के मिजाज में परिवर्तन नजर आने लगा है। न्यूनतम तापमान के साथ अधिकतम तापमान में गिरावट आई है और यह सामान्य से 2.2 डिग्री नीचे पहुंच गया है। अधिकतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार सुबह के वक्त हल्की धुंध रहेगी। दिन में मौसम साफ रहेगा। अगले सप्ताह से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट आने की संभावना है।

शादी की खुशी में खूब नाचे–गाए

लुट गईं परिवार की खुशियां

दंपती ने खूब किया डांस... हादसे के बाद अब गम के साए

गोरखपुर। गोरखपुर के मोहद्दीपुर में हुए हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। शादी की खुशी में दंपती ने खूब डांस किया। घर पहुंचने से पहले हादसा हो गया। हादसे में दो बच्चियों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। गोरखपुर में मोहद्दीपुर सड़क हादसे से ठीक एक घंटे पहले का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें तीन दिसंबर को गोरखनाथ क्षेत्र स्थित ससुराल में साले की शादी से पहले के संगीत कार्यक्रम में विक्रांत पत्नी निकिता के साथ डांस करते दिख रहे हैं। यहां से निकलने के बाद घर से कुछ दूर पहले हादसा हो गया और विक्रांत और उनकी दो बच्चियों की मौत हो गई थी।

विक्रांत की साली सिमरन ने बताया कि दो घंटे तक घर पर भाई की शादी की खुशी में खूब नाच–गाना हुआ। दीदी निकिता को रुकने के लिए भी कहा गया। उन्होंने कहा कि शादी से दो दिन पहले ही वह आ जाएंगी। यह कहकर विक्रांत के साथ बच्चों को लेकर बाइक से निकल गईं। घरवालों ने कहा–पहुंचकर कॉल करना। करीब एक घंटे बाद कॉल आई कि पूरा परिवार हादसे में जख्मी हो गया है। जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चौहान टोला स्थित मृतक विक्रांत के घर सदर सांसद रवि किशन भी पहुंचे थे। उन्होंने परिवार से मिलकर मदद का आश्वासन दिया। मेडिकल कॉलेज में निकिता भर्ती हैं। वहां सिमरन उनके साथ हैं। सिमरन ने बताया कि निकिता के जबड़े टूट गए हैं और पेट में भी चोट आई है। उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया गया है। मेडिकल कॉलेज में इसका कोई डॉक्टर नहीं है। एक या दो दिन में लखनऊ लेकर जाएंगे। अभी तक पति और बच्चों की मौत के बारे में नहीं बताया गया है। जब भी होश आ रहा है, पति और बच्चों के बारे में इशारे से पूछ रही हैं।

बेटे अंगद की हालत गंभीर

मेडिकल कॉलेज के पांच सौ बेड के आईसीयू वार्ड में निकिता का बेटा अंगद भर्ती है। घटना के बाद से ही उसे होश नहीं आया है। डॉक्टरों के अनुसार, अंगद के दिमाग पर गहरा जख्म है। उसकी हालत में अभी कोई खास सुधार नहीं है।

घायल चिन्मयानंद हुए लखनऊ रेफर

घटना में तीसरे बाइक सवार घायल चिन्मयानंद मिश्रा (25) पुत्र भातेंदु मिश्रा का भी इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। चिन्मयानंद के जबड़े और सिर में कुल 12 टांके लगे हैं। पिता भातेंदु मिश्रा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में जबड़े का कोई डॉक्टर नहीं है। इसलिए बेटे को लखनऊ रेफर कराकर ले जा रहे हैं। बताया कि बेटे के पैर की चकरी भी टूट गई है। एक कंपनी में उसे हाल ही में नई नौकरी भी मिल गई थी। जनवरी में उसे ज्वॉइन करना था। कुशीनगर के अहिरौली थाना डोमरी गांव निवासी चिन्मयानंद वर्तमान में शाहपुर थाना के बिछिया कॉलोनी में मकान बनवाकर रहते हैं। खलीलाबाद में एक मोबाइल कंपनी में मैनेजर हैं। बता दें कि कैंट क्षेत्र के मोहद्दीपुर नहर रोड पर रेसर बाइक सवार दो युवकों ने लेबर कॉलोनी की तरफ जा रहे विक्रांत की बाइक में टक्कर मारी थी। हादसे में विक्रांत, उनकी दो बेटियां परी और लाडो की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी और बेटा दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। रेसर बाइक सवार मोनू और सूरज की भी मौके पर ही मौत हो गई थी।

हाथरस हादसे में सात की मौत

क्यों हुआ हादसा? सामने आई वजह, आठ की क्षमता वाले मैजिक में बैठी थीं 20 सवारियां

हाथरस। टाटा मैजिक की क्षमता आठ सवारियों की थी और उसमें 20 लोग सवार थे। अगर कुल सवारों की बात करें तो चालक समेत 21 थे। स्थिति यह थी कि चालक वाली सीट पर भी सवारियां थीं। संभागीय परिवहन विभाग ने मथुरा बरेली मार्ग पर हुए हादसे में प्रथम दृष्टया कैंटर चालक की लापरवाही मानी है। एआरटीओ लक्ष्मण प्रसाद ने बताया कि हादसे के बाद मौका मुआयना करने में सामने आया कि सवारी वाहन टाटा मैजिक नम्बर यूपी82टी2578 हाथरस की ओर से आ रहा था। इस दौरान सिकन्दराराऊ की ओर से आ रहे कैंटर संख्या एनएल01–एई5740 ने किसी वाहन को तेज गति से आवेरटेक किया और सामने से आ रहे मैजिक को टक्कर मार दी। एआरटीओ का कहना है कि दोनों ही वाहनों की फिटनेस, बीमा, परमिट, प्रदूषण आदि सभी दस्तावेज पूर्ण पाए गए हैं। टाटा मैजिक नम्बर यूपी82टी2578 एटा एआरटीओ कार्यालय में पंजीकृत था। यह वाहन किशन पाल पुत्र सौदान सिंह, निवासी गांव रेवाड़ी सकीट जनपद एटा के नाम पंजीकृत है। कैंटर संख्या एनएल01एई5760 नागालैंड में कोहिमा जनपद में पंजीकृत है। इसके मालिक परवीन पुत्र शमशेर सिंह, निवासी फोरेस्ट कॉलोनी कोहिमा सदर जनपद कोहिमा नागालैंड है।

कहते है साइंस के इस युग में कुछ भी असंभव नहीं है. जापान के इंजीनियरों ने कुछ ऐसा ही करिश्मा कर दिखाया है. जापान में एक अनोखी वॉशिंग मसीन की अविष्कार किया गया है. इसकी मदद से केवल 15 मिनट के अंदर इंसानों की सफाई हो जाएंगी।

दिल्ली में अकेले दम पर ही लड़ेंगे चुनाव

केजरीवाल का एलान, नहीं होगा आप-कांग्रेस का गठबंधन

दिल्ली चुनाव को लेकर केजरीवाल ने बड़ा एलान किया। केजरीवाल ने कहा दिल्ली में अकेले दम पर लड़ेंगे चुनाव। आप पार्टी ने कांग्रेस के गठबंधन को खारिज कर दिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली में अगले साल फरवरी में होने वाले चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बड़ा एलान किया है। केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट डालकर बताया कि वे दिल्ली में अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगे।

आप अकेले दम पर लड़ेगी चुनाव

इससे पहले खबर आ रही थी कि गठबंधन के लिए कांग्रेस और आप के बीच सहमति अंतिम चरण में है। कांग्रेस को 15 सीटें और अन्य आईएनडीआईए गठबंधन सदस्यों को 1 या 2 सीटें मिल सकती है। बाकी सीटों पर आम आदमी पार्टी खुद चुनाव लड़ेगी। लेकिन अब आप ने तस्वीर साफ कर दी है कि आम आदमी पार्टी दिल्ली में अकेले ही चुनाव लड़ेगी। बता दें कि गठबंधन को लेकर मंगलवार की रात में I-N-D-I-A के नेताओं के बीच बैठक हुई थी। इसके बाद ही बुधवार को केजरीवाल ने अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया है।

> *दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने एक बड़ा एलान किया है। आप ने कांग्रेस के गठबंधन को खारिज कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि हम दिल्ली में अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले खबर आ रही थी कि कांग्रेस और आप के बीच गठबंधन फाइनल हो गया है। सीटों के बंटवारे को लेकर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार था।*

आम आदमी पार्टी की दो सूची हो चुकी जारी

बता दें कि दिल्ली चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने तैयारियां तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी (।।च) ने सोमवार (9 दिसंबर) को ही अपने 20 उम्मीदवारों की सूची जारी की। इससे पहले आप ने अपने 11 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की थी।

2015 के चुनाव में आप ने रचा था इतिहास

वहीं, दिल्ली में 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 70 में से 67 सीटें मिली थीं, जबकि बीजेपी के खाते में सिर्फ तीन सीटें ही आई थीं। खास बात यह है कि कांग्रेस को दिल्ली में एक भी सीट नहीं मिली थी।

2020 के चुनाव में आप को मिली थी 62 सीटें

इसके बाद 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आप को 70 में से 62 सीटें मिलीं, जबकि आठ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्जा किया था। 2020 के चुनाव में भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला था। अब देखना यह होगा कि अगर कांग्रेस इस बार भी अकेले चुनाव लड़ती है तो उसे कितनी सीटें मिलेगी। हालांकि, दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में यह भी देखना अहम होगा कि आम आदमी पार्टी इस बार 62 के आंकड़े को पार करेगी या एक बार फिर से नीचे खिसक जाएगी। वहीं, आप की ओर से कहा गया था कि इस बार आम आदमी पार्टी 50 से ज्यादा सीटें जीतेगी।

लखनऊ। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 के पहले आठ महीनों में देशभर में एक चिंताजनक स्थिति सामने आई है, जिसमें 11.70 लाख से ज्यादा बच्चों की पहचान की गई है जो स्कूलों में पढ़ाई नहीं कर रहे हैं. इस आंकड़े से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा के क्षेत्र में अब भी कई चुनौतियां बनी हुई हैं. संसद के शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से तेलुगु देशम पार्टी के सांसद मथुकुमिली श्रीभारत के सवाल के जवाब में बताया कि देशभर में 11 लाख 70 हजार से ज्यादा छात्र स्कूल में दाखिला पाने से वंचित हैं. लोकसभा में सोमवार को दिए गए इन चौंकाने वाले आंकड़ों के अनुसार, सबसे गंभीर स्थिति उत्तर प्रदेश की है, जहां लगभग 7 लाख 85 हजार छात्र स्कूली शिक्षा से शिक्षा से वंचित हैं. झारखंड में यह संख्या 65 हजार से अधिक है, जबकि असम में लगभग 64 हजार छात्र स्कूल से बाहर हैं।

दिल्ली। डिजिटल युग में मोबाइल फोन और सोशल मीडिया जरूरी तो हैं, लेकिन ये ध्यान भटकाने वाले भी हो सकते हैं. आईएएस अधिकारी नेहा बयाडवाल को इसका एहसास तब हुआ जब वे यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) में अपने पहले अटेंप्ट में असफल रहीं. अपने सपने को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित नेहा ने भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक की तैयारी पर फोकस करने के लिए तीन साल के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाने और फोन के इस्तेमाल को सीमित करने का फैसला किया।

जयपुर, राजस्थान में जन्मी और छत्तीसगढ़ में पली-बढ़ी नेहा की परवरिश उनके पिता श्रवण कुमार से प्रभावित थी, जो एक सीनियर इनकम टैक्स ऑफिसर थे, जिनकी सेवा ने उन्हें सिविल सेवा में शामिल होने के लिए मोटिवेट किया. नेहा की एजुकेशनल जर्नी ने उन्हें अपने पिता की ट्रांसफरेबल जॉब के कारण राज्यों के कई स्कूलों में जाने के लिए मोटिवटे किया. रायपुर के डीबी गर्ल्स कॉलेज में यूनिवर्सिटी टॉपर के रूप में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, उन्होंने यूपीएससी परीक्षा पर अपनी नजरें टिकाईं।

हालांकि, सफलता आसानी से नहीं मिली. नेहा अपने पहले तीन अटेंप्ट में असफल रहीं. उन्होंने अपनी सोशल लाइफ का त्याग किया, खुद को हर दूसरे डिस्ट्रेक्शन से दूर रखा और खुद को पूरी तरह से अपने टारगेट के लिए समर्पित कर दिया. कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा पास करने के बावजूद, उन्होंने भी अधिकारी बनने से कम कुछ भी स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

2021 में अपने चौथे अटेंप्ट में आखिरकार उनका दृढ़ संकल्प रंग लाया. 24 साल की उम्र में नेहा ने 960 अंकों के साथ ऑल इंडिया रैंक 569 हासिल की, जिसमें इंटरव्यू में 151 नंबर शामिल थे. उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें उम्मीदवारों के लिए एक रोल मॉडल बना दिया. असफलताओं से सफलता तक की नेहा की जर्नी, अपने सपनों को पाने के लिए दृढ़ संकल्प और त्याग का एक आदर्श उदाहरण है।

> जयपुर, राजस्थान में जन्मी और छत्तीसगढ़ में पली-बढ़ी नेहा की परवरिश उनके पिता श्रवण कुमार से प्रभावित थी, जो एक सीनियर इनकम टैक्स आफिसर थे, जिनकी सेवा ने उन्हें सिविल सेवा में शामिल होने के लिए मोटिवेट किया।

अगर कुछ पाना है तो उसके लिए कुछ त्याग तो करना पड़ेगा ऐसी ही कहानी है नेहा की तैयारी और त्याग है।

आम्रपाली दुबे और निरहुआ की नई तस्वीर को देखने के बाद लोग उन्हें बधाई देने लगे हैं। दरअसल इन तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि निरहुआ और आम्रपाली दुबे ने एक दूसरे के साथ में शादी कर ली है। सबको इस पल का बहुत ही बेसब्री के साथ इंतजार था। लेकिन आपको बता दे कि सोशल मीडिया पर जो यह तस्वीर सामने आई है दरअसल यह फिल्म का दृश्य है और असल में इन दोनों ने शादी नहीं की है।

शाकाहारी बनने वाली बात पर भड़कीं साई पल्लवी

बोलीं– कानूनी कार्रवाई करूंगी, 'रामायण' के लिए मांस छोड़ने की खबर थी

मुम्बई। पिछले दिनों खबरें आई थीं कि साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी ने फिल्म रामायण के लिए मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इस बीच, एक्ट्रेस ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और इन्हें खारिज करते हुए ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात भी कही है। साई पल्लवी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट लिखते हुए इसकी आलोचना भी की है। उन्होंने लिखा, श्जब भी मैं सोशल मीडिया पर कोई गलत खबर देखती हूं, तो ज्यादातर मेरी कोशिश रहती है कि उसे नजर अंदाज करके चुप रहूं। लेकिन लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं भी कुछ झूठी खबरों पर अपना रिएक्शन दूं, क्योंकि झूठ लगातार फैलाया जाता है और यह रुकता नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसा अक्सर मेरी फिल्मों की रिलीज, घोषणाओं या मेरे करियर के यादगार पलों के आसपास होता है। तो, अगली बार जब मैं किसी फेमस पेज या मीडिया को ऐसा करते हुए देखूंगी, तो मुझे उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी पड़ेगी।'

दरअसल, एक तमिल दैनिक ने अपनी खबर में कहा था कि साई पल्लवी फिल्म रामायण में माता सीता का किरदार निभा रही हैं, और इसके चलते उन्होंने मांसाहारी खाना छोड़ दिया है। इसके अलावा, यह भी दावा किया गया था कि जब भी एक्ट्रेस यात्रा करती हैं, तो वह केवल शाकाहारी भोजन ही पसंद करती हैं।

मैं हमेशा के लिए शाकाहारी हूं– साई पल्लवी

एक इंटरव्यू में भी साई पल्लवी ने कहा था कि वह हमेशा के लिए शाकाहारी हैं। उनसे यह सहन नहीं होता जब किसी जानवर की मौत होती है। वह किसी को तकलीफ नहीं दे सकती और नहीं सोच सकती कि यह ठीक है।

स्कूल वाला इश्क

कीर्ति सुरेश ने रचाई ब्वॉयफ्रेंड संग शादी

गोवा में कीर्ति सुरेश ने की डेस्टिनेशन वेडिंग

कीर्ति सुरेश की शादी में शरीक हुए विजय

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। बेबी जॉन (ठंइल श्वदीद) से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कीर्ति सुरेश ने फिल्म की रिलीज से पहले ही अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू कर लिया है। वह अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड एंथनी थाटिल की धर्मपत्नी बन गई हैं। कीर्ति सुरेश ने 12 दिसंबर को गोवा में पारंपरिक रीति–रिवाज से एंथनी थाटिल के साथ ब्याह रचाया। उनकी शादी में साउथ के सुपरस्टार विजय थलापति (टपरंल जैंसचंजील) समेत कई सितारे भी शामिल हुए। जैसे ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी वेडिंग फोटोज शेयर कीं, वो इंटरनेट पर वायरल हो गईं। लोग यह जानने के लिए भी बेताब हो गए कि आखिर कीर्ति सुरेश के पति एंथनी थाटिल कौन हैं? चलिए आपको उनके बारे में बताते हैं।

कौन हैं कीर्ति सुरेश के पति एंथनी?

कीर्ति सुरेश के पति एंथनी थाटिल फिल्मी दुनिया से ताल्लुक नहीं रखते हैं। कोची में जन्मे एंथनी दुबई बेस्ड बिजनेसमैन हैं। कोची में उनका रिसॉर्ट चेन है, साथ ही चेन्नई में भी उनकी कंपनी है। बिजनेस से ताल्लुक रखने वाले एंथनी लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं। उनका इंस्टाग्राम प्रोफाइल भी प्राइवेट है।

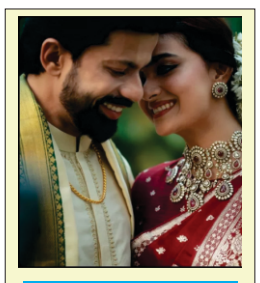

साउथ सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेशअब मिस से मिसेज बन गई हैं। बीते दिन एक्ट्रेस ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड एंथनी थाटिलसे शादी कर ली है। शादी की तस्वीरें सामने आते ही लोग यह जानने के लिए बेताब हैं कि आखिर कीर्ति सुरेश के पति एंथनी कौन हैं और क्या करते हैं।

बोलीं– सलमान खान ने बहुत ख्याल रखा, वह जमीन से जुड़े व्यक्ति हैं

'सिकंदर' की शूटिंग के दौरान रश्मिका हो गई थी बीमार

मुम्बई। रश्मिका मंदाना इन दिनों फिल्म पुष्पा 2 की सक्सेस एन्जॉय कर रही हैं। अब एक्ट्रेस जल्द ही सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आएंगी। हाल ही में रश्मिका ने फिल्म की शूटिंग के दौरान का एक किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि जब वह सेट पर बीमार पड़ीं, तो सलमान खान ने उनका बहुत ध्यान रखा था। इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान रश्मिका मंदाना ने कहा, 'सलमान के साथ काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। वह सिंपल और जमीन से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। जब हम शूटिंग कर रहे थे और मैं ठीक महसूस नहीं कर रही थी। जैसे ही सलमान को पता चला, तो उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं ठीक हूं और क्रू को कहा कि मुझे हेल्दी खाना, गर्म पानी और बाकी सब दिया जाए।'

रश्मिका की मानें तो सलमान खान सच में बहुत ध्यान रखते हैं और सभी को खास महसूस कराते हैं। वह देश के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। लेकिन इसके बाद भी वह बहुत ही सिंपल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना और सलमान खान ने हाल ही में एक फेस्टिव गाने की शूटिंग की। इस साल के अंत तक यूरोप में दो और गानों की शूटिंग की जाएगी। इसके अलावा, यह भी खबरें आई हैं कि फिल्म का पहला पोस्टर सलमान खान के जन्मदिन 27 दिसंबर को रिलीज होगा।

साल 2025 में रिलीज होगी सिकंदर फिल्म सिकंदर अगले साल (2025) में रिलीज होगी। इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म को साउथ के मशहूर डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदास डायरेक्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 'गजनी', 'हॉलीडे' और श्अकीराश जैसी हिंदी फिल्में डायरेक्टर कर चुके हैं। वहीं, साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर हैं।

कपिल ने पत्नी के साथ शेयर की तस्वीरें

एंटरटेनमेंट डेस्क। कपिल शर्मा और उनकी पत्नी गिन्नी ने अपनी शादी की सालगिरह मनाई। इस खास मौके पर कॉमेडियन ने एक दिल छू लेने वाली पोस्ट शेयर की, जिसे देखकर अब प्रशंसक भी लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। सभी के चहेते कॉमेडियन कपिल शर्मा इन दिनों द ग्रेट इंडियन कपिल शो को होस्ट कर रहे हैं। अपनी कमाल की कॉमिक टाइमिंग के साथ–साथ अपने मिलनसार व्यवहार के लिए मशहूर कपिल ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। 12 दिसंबर को कपिल और उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने अपनी शादी की सालगिरह मनाई। इस अवसर पर कपिल ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो सहित कई तस्वीरें शेयर की हैं, जो दोनों के बीच के गहरे प्यार को दर्शाती हैं।

पिछले कुछ सालों में कपिल ने इस बात का ध्यान रखा है कि वे अपनी पत्नी को ऐसे मौकों पर खास महसूस करवाएं। इस बार कॉमेडियन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया है। कपिल ने एक प्यारा सा वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वे और गिन्नी खुशी के साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में उनके चेहरे की खुशी बता रही है कि वे एक–दूजे को कितना प्यार करते हैं। इस वीडियो के साथ कपिल ने खुद को दिल से शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ष्हमें शादी की सालगिरह मुबारक (लाल दिल वाली इमोजी)।ष्अब इस पर प्रशंसक लगातार अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, श्आपको बहुत–बहुत शुभकामनाएंश एक और प्रशंसक ने लिखा, श्आप दोनों हमेशा यू हीं खुश रहें।

कॉमेडियन ने एक बार खुलासा किया था कि गिन्नी उनकी जूनियर थीं और उन्हें उनसे प्यार हो गया था। हालांकि कपिल को अपनी भावनाओं का जवाब देने में बहुत समय लगा, लेकिन उनके रिश्ते ने उनकी जिदगी हमेशा के लिए बदल दी। अब तक, यह जोड़ा एक बेटे और एक बेटी का माता–पिता है। कपिल शर्मा और गिन्नी चतरथ ने दिसंबर 2018 में शादी की थी। उन्होंने एक भव्य पंजाबी समारोह में शादी की, जिसने मीडिया का खूब ध्यान खींचा। वे पहली बार अपने कॉलेज के दिनों में मिले थे। उनकी प्रेम कहानी कपिल के मशहूर होने से बहुत पहले शुरू हुई थी। इस जोड़े ने पहले अपने बच्चे, बेटी अनायरा और बाद में बेटे त्रिशान का स्वागत किया। कपिल शर्मा ने हमेशा गिन्नी को अपना सबसे बड़ा सहारा और सबसे बड़ी चीयरलीडर बताया है। उन्होंने यह भी बताया है कि कैसे वह एक गृहिणी और पत्नी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को संतुलित करते हुए बच्चों की देखभाल करती हैं।

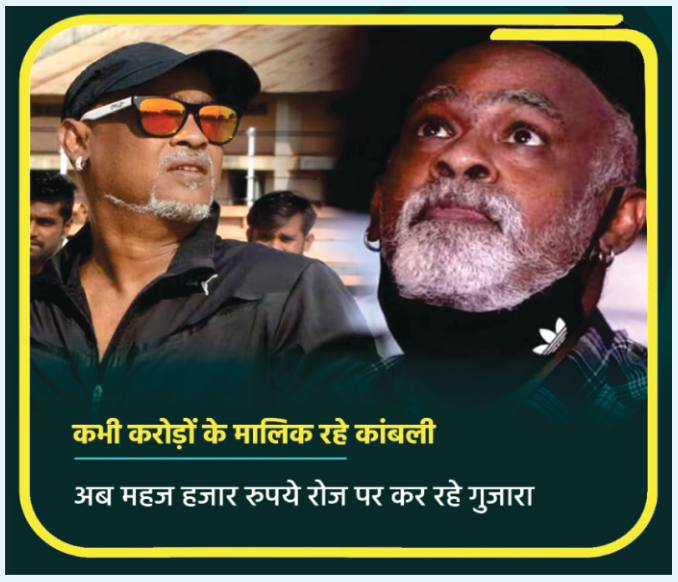

गिल बोले– नई जनरेशन बालर्स नहीं, बाल देखती है

ब्रिस्बेन। भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल ने कहा– अगर आप नहीं जीते हैं तो आपको डर लगेगा। हम पिछली बार जीते हैं और भारत में भी। यह पीढ़ी यह नहीं सोचती कि कौन गेंदबाजी कर रहा है और सिर्फ गेंद को देखती है। गिल ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर शनिवार, 14 दिसंबर से शुरू होने जा रहे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे मुकाबले से पहले मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने एक दिन पहले वर्ल्ड चेस चौंपियनशिप जीतने वाले डी गुकेश को बधाई भी दी। गिल ने कहा– मैं भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से गुकेश को बधाई देता हूं। सबसे कम उम्र का वर्ल्ड चेस चौंपियन बनना अपने आप में एक अचीवमेंट है।श गुकेश ने गुरुवार रात को चीन के डिंग लिरेन को 7.5–6.5 से हराया था।

गाबा में पुरानी यादें ताजा हो गईं: गिल

गिल ने कहा कि 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया में जीत दर्ज करने के बाद हम पहली बार गाबा में प्रैक्टिस करने उतरे तो पुरानी यादें ताजा हो गईं। यहां भारतीय टीम ने पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे में 3 विकेट की जीत दर्ज की थी।

गिल की मुख्य बातें...

खिलाड़ी को एक बार खेलने पर पता चल जाएगा कि विकेट कैसा है। वैसे तो विकेट देखने में अच्छा दिख रहा है। गुलाबी गेंद अलग होती है। यह थोड़ी कठिन होती है। हम लाल गेंदों के ज्यादा आदी हैं। रात में खेलने इसकी स्पीड, सीम और ग्रिप का अंदाजा लगाना थोड़ा कठिन होता है। जिस तेजी से खेल खेले जाते हैं, वही इसे कठिन बनाता है। यहां मानसिक–फिटनेस की जरूरत है। परिस्थितियां कठिन हैं। दूसरी नई गेंद तक 35 ओवर बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है।

एक–एक की बराबरी पर सीरीज

5 मैचों की टेस्ट सीरीज एक–एक की बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पर्थ टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से जीता था और सीरीज में 1–0 की बढ़त बनाई। फिर ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट को 10 विकेट से जीतकर सीरीज में वापसी की।

ऑस्ट्रेलिया के 7 शहरों में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम हैं, जिनमें से 6 में विराट ने 12 शतक लगाए हैं। एडिलेड में उनके नाम विदेशी प्लेयर्स में सबसे ज्यादा 5 सेंचुरी हैं। मेलबर्न और पर्थ में उन्होंने 2–2 शतक लगाए हैं। होबार्ट, कैनबरा और सिडनी में भी उनके नाम 1–1 सेंचुरी हैं। विराट सिर्फ ब्रिस्बेन के द गाबा स्टेडियम में शतक नहीं लगा सके हैं। अगर उन्होंने तीसरे टेस्ट में सेंचुरी लगा दी, तो वह ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के सातों शहरों में शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन जाएंगे।

स्पोर्ट्स डेस्क। विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इतिहास रचने वाले हैं। इस मुकाबले के साथ वह कंगारुओं के खिलाफ 100 इंटरनेशनल मैच खेलने वाले अब तक के दूसरे खिलाड़ी बनेंगे। सचिन तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 110 मैच खेले हैं। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 99 मैचों में 17 शतक लगाए, इनमें 9 बार प्लेयर ऑफ द मैच रहे। विराट ने ऑस्ट्रेलिया के 7 में से 6 शहरों में शतक लगाए हैं, ब्रिस्बेन ऐसा इकलौता शहर है, जहां वह शतक नहीं लगा सके। विराट तीसरे टेस्ट में शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया के सभी क्रिकेट शहरों में सेंचुरी लगाने वाले इकलौते खिलाड़ी बन सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5000 रन बनाए

विराट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 27 टेस्ट, 49 वनडे और 23 टी–20 खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 50 से ज्यादा की औसत से 5326 रन बनाए। उनके नाम 17 सेंचुरी और 27 फिफ्टी हैं। खास बात यह रही कि विराट ने 17 में से 10 सेंचुरी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं के घर में लगाईं।

विराट की मौजूदगी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 47: मैचों में हराया

विराट की मौजूदगी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 10 टेस्ट, 21 वनडे और 15 टी–20 हराए। तीनों फॉर्मेट मिलाकर विराट जब भी प्लेइंग–11 का हिस्सा रहे, टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 47: में जीत हासिल की। 44: में टीम को हार मिली, जबकि बाकी मुकाबले बेनतीजा और ड्रॉ रहे।

एडिलेड में विदेशी प्लेयर के तौर पर सबसे ज्यादा शतक

विराट को ऑस्ट्रेलिया में खेलना बहुत पसंद है। ऑस्ट्रेलिया के 7 शहरों में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम हैं, जिनमें से 6 में विराट ने 12 शतक लगाए हैं। एडिलेड में उनके नाम विदेशी प्लेयर्स में सबसे ज्यादा 5 सेंचुरी हैं। मेलबर्न और पर्थ में उन्होंने 2–2 शतक लगाए हैं। होबार्ट, कैनबरा और सिडनी में भी उनके नाम 1–1 सेंचुरी हैं। विराट सिर्फ ब्रिस्बेन के द गाबा स्टेडियम में शतक नहीं लगा सके हैं। अगर उन्होंने तीसरे टेस्ट में सेंचुरी लगा दी, तो वह ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट के सातों शहरों में शतक लगाने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन जाएंगे।

2018 में ऑस्ट्रेलिया को हराकर रच चुके इतिहास

विराट ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के मैदान पर ही इतिहास रचा था, जब उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को 2–1 से टेस्ट सीरीज जिताई थी। भारत ने क्रिकेट इतिहास में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में टेस्ट सीरीज हराई थी। भारत ने फिर 2021 में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में भी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी। अब टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में 5 टेस्ट की सीरीज में 1–1 की बराबरी पर खड़ी है। विराट इस टीम का अहम हिस्सा हैं, उनके पास बतौर प्लेयर ऑस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट सीरीज जीतने का मौका है।

विराट ने इंग्लैंड के खिलाफ 85 मैच खेले

विराट ने अपने करियर में सबसे ज्यादा मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही खेले। वह न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ भी 50 प्लस इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के बाद उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 15 और वेस्टइंडीज के खिलाफ 12 शतक लगाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ उनके नाम 85 मैचों में 8 सेंचुरी हैं।

अब तक 17 शतक लगाए, 9 बार जीता प्लेयर आफ द मैच अवार्ड

दी नेक्स्ट पोस्ट
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003
Tital code: UPHIN51019
बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com
नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।